राष्ट्र एवम् धर्म की रक्षा हेतु श्री महाकाल यज्ञ

(रविवारीय रात्रिकालीन महाकाल यज्ञ अभियान)

(संकल्प)

मैं पिता..... एवं माता .....का ..... नामक पुत्र / पुत्री आज अपने गृह स्थान में श्रद्धेय स्वामी श्री रूपेश्वरानंद जी के मार्गदर्शन एवम् नेतृत्व में, श्री महाकाल यज्ञ (रविवारीय रात्रिकालीन महाकाल यज्ञ अभियान) में सहभागी साधक के रूप में: भारतवर्ष एवम् सनातन धर्म के ज्ञात अज्ञात समस्त शत्रुओं का समूल विनाश करने हेतु, अपने निकटवर्ती क्षेत्र में वास करने वाले प्रेत, पिशाच, राक्षस, ब्रह्मराक्षस, ब्रह्म पिशाच, वैताल, अगिया वेताल, शैतान, खबीस, चुड़ैल, पीर, जिन्न, जिन्नात, औलिया, फकीर, दुष्ट वीर, मसान, मसानी, चाण्डालिनी, पिशाचिनी, बालक प्रेत, बालाजी प्रेत आदि समस्त आसुरी, तामसी एवं म्लेच्छ तत्वों का, बौद्ध, जैन, ईसाई और मुस्लिम दुष्ट तत्वों का तथा उसके उपासकों का, उनकी तामसी मंत्र सिद्धियों का, दुष्ट शाबर मंत्र सिद्धियों का, दुष्ट शाबर मंत्र सिध्दी करनेवाले दुष्ट तांत्रिको की, ओझाओ, सोखाओ, जागरीयों, झाकरीयों का, भोपाओं का उनकी दुष्ट मंत्र सिध्दी सहित संहार करने हेतु, अधर्मियों एवं विधर्मीयों का विनाश करने हेतु, मुझे एवं मेरे माता-पिता, पत्नी, पुत्र, पुत्री, गर्भस्थ शिशु आदि सदस्यों को कष्ट पहुंचाने वाले समस्त ज्ञात अज्ञात दृश्य अदृश्य स्थूल सूक्ष्म शत्रुओं के समूल संहार हेतु एवं मेरे परिवार को सम्पूर्ण दैवीय संरक्षण प्रदान करने हेतु और मेरे गृह स्थान में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से विद्यमान समस्त नकारात्मक उर्जाओ के संहार हेतु, साधु सज्जनों, गौ माता, भारतभूमि, पृथ्वी प्रकृति का दैवीय संरक्षण हेतु, श्री गणेश जी, श्री हनुमान जी, श्री बटुक भैरव जी, श्री काल भैरव जी, श्री कार्तिकेय जी, भगवती दुर्गा, भगवती काली, भगवती कालरात्रि, भगवती वाराही , मां भगवती पीताम्बरा, भगवती प्रत्यंगिरा, भगवान श्री वीर शर्भेश्वर, इष्ट देवता, भगवती महालक्ष्मी, महासरस्वती एवं भगवती महाकाली सहित भगवान श्री महाकाल की प्रसन्नता हेतु एवं उनकी कृपा प्राप्ति हेतु, संकल्प में उल्लेखित समस्त देवताओं की 7 आहुति, 11 वाराही शाबर मंत्र की आहुति एवम् महाकाल मंत्र की 1008 आहुति देकर यज्ञ हवन करने का संकल्प करता / करती हुं।

श्री गणेश जी, श्री हनुमान जी, श्री बटुक भैरव जी, श्री काल भैरव जी, श्री हनुमान जी, श्री कार्तिकेय जी, भगवती दुर्गा, भगवती काली, भगवती कालरात्रि, मां भगवती पीताम्बरा, भगवती प्रत्यंगिरा, भगवती वाराही, भगवान शर्भेश्वर, इष्ट (देवता का नाम) देवता, भगवती महालक्ष्मी, महासरस्वती, भगवती महाकाली सहित श्री भगवान महाकाल मुझ पर प्रसन्न होवे ओर मेरे उपरोक्त शुभ संकल्प को पूर्ण करें।

||महाकाल हवन मंत्र||

जो भी श्रद्धालु साधक अपने घर में महाकाल हवन करना चाहते है वे निम्नलिखित सामग्री और मंत्रो का प्रयोग कर हवन कर सकते है।

हवन सामग्री:

सफेद तिल, काला तिल एवं काली सरसों (25:25:50) के अनुपात में

हवन मंत्र (आहुति इसी क्रम मे देवे)

ॐ गणेशाय स्वाहा (7 आहुति)

ॐ गुरूदेवाय स्वाहा (7)

ॐ कार्तिकेयाय स्वाहा (7)

ॐ काल भैरवाय स्वाहा (7)

ॐ बटुक भैरवाय स्वाहा (7)

ॐ हनुमते स्वाहा (7)

ॐ रूद्राय स्वाहा (7)

ॐ ब्रह्मणे स्वाहा (7)

ॐ विष्णवे स्वाहा (7)

क्लीं महाकालिके स्वाहा (7)

ऐं सरस्वत्यै स्वाहा (7)

ह्रीं महालक्ष्म्यै स्वाहा (7)

ॐ दुर्गायै स्वाहा (7)

ॐ कालरात्र्यै स्वाहा (7)

ॐ प्रत्यंगिरायै स्वाहा (7)

ॐ पीताम्बरायै स्वाहा (7)

ॐ वाराहीदेव्यै स्वाहा (7)

वाराही शाबर मंत्र (11)

ॐ शरभेश्वराय स्वाहा (7)

इष्ट मंत्र + स्वाहा (7)

ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरिण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात् स्वाहा (3)

ऐं ह्रीं क्लीं चामुंडायै विच्चे स्वाहा (7)

ॐ महाकालाय स्वाहा (1008)

विशेष :

- मुख्य देवता अथवा इष्ट देवता की सबसे अंत में आहुति दे और आहुति संख्या 1008 रखे
- इसके उपरान्त एक आहुति मुख्य देवता के मंत्र से मिष्ठान्न के साथ दें
- और अंतिम आहुति (पुर्णाहुति) नारियल, मिठाई अथवा भोग सामग्री के साथ दे।

चेतावनी : किसी भी क्षेत्रीय अशास्त्रीय देवी देवता के नाम की आहुति न दे। बिना शास्त्रोक्त मंत्र के आहुति न दे।

हवन के अंत में यज्ञभस्म सभी को वितरित करें।

नारायण!!!

स्वामी रुपेश्वरानंद आश्रम

बलुआघाट, चंदौली (काशी क्षेत्र)

: 7607 233 230

Facebook से जुडें.

X से जुडें.

Instagram से जुडें.

youtube चैनल से जुडें.

website से जुडें.

Telegram चैनल से जुडें

सनातन धर्म प्रचार हेतु नित्य दान लिंक के माध्यम से करें